The ACHIEVERS IAS ACADEMY

The ACHIEVERS IAS ACADEMY

PATNA

Daily NEWS CHRONICLE

IDEAL FOR

For UPSC/BPSC & For other Exams

Hindi

NEWS CREDIT

PIB/ PTI/ News On Air/ The Hindu/ IANS/ Business Standard/ Times Of India/ Deccan Herald/ Hindustan Times/ BBC News/ Aljazeera/ Mirror.Uk/ Times Now/ Economic Times/ Financial Express/ Indian Express...

NEWS COVERED

Business News, financial news, economy news, company news, politics news, India news, breaking news, Indian economy, International News, Sports News, and many more topics...

Tuesday, July 14, 2026

+91 8434931877 www.achieversiaspatna.co.in achieversiaspatna@gmail.com

दिन की प्रमुख घटनाएं

- इसरो ने अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तीन प्रमुख गगनयान क्रू मॉड्यूल योग्यता परीक्षणों को सफलतापूर्वक पूरा किया
- भारत ने अंतर्राष्ट्रीय भौतिकी ओलंपियाड 2026 में पांच स्वर्ण पदक जीते, विश्व स्तर पर संयुक्त रूप से पहला स्थान हासिल किया
- ईपीएफओ ने छूट प्राप्त भविष्य निधि ट्रस्टों के नियमितीकरण के लिए एमनेस्टी योजना 2026 शुरू की
- कतर के पूर्व अमीर शेख हमद बिन खलीफा अल थानी का 74 साल की उम्र में निधन
- भारत ने सुरक्षा समीक्षा के बीच यमन के लिए 2017 में जारी विशेष यात्रा शर्तों को वापस लिया
- आरबीआई ने वीआरआरआर नीलामी के माध्यम से 1.10 लाख करोड़ रुपये की अधिशेष तरलता को अवशोषित किया
- सेबी ने म्यूचुअल फंडों को तरलता प्रबंधन के लिए इंट्राडे बॉरोइंग सुविधा का उपयोग करने की अनुमति दी
- Jannik Sinner ने 2026 चैंपियनशिप में विंबलडन पुरुष एकल खिताब बरकरार रखा
- जुरासिक पार्क के स्टार सर सैम नील का 78 साल की उम्र में निधन
- भारतीय वायु सेना WDMMA ग्लोबल एयर पावर रैंकिंग 2026 में तीसरे स्थान पर है

The ACHIEVERS IAS ACADEMY

इसरो ने गगनयान क्रू मॉड्यूल सिस्टम के तीन प्रमुख क्वालीफिकेशन परीक्षण सफलतापूर्वक पूरे किए

- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने गगनयान मिशन के लिए क्रू मॉड्यूल (सीएम) सिस्टम के तीन प्रमुख योग्यता परीक्षणों को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है, जो भारत के पहले मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम की दिशा में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।
- परीक्षणों ने अंतरिक्ष यात्री सुरक्षा के लिए जिम्मेदार महत्वपूर्ण प्रणालियों को मान्य किया, फिर से प्रवेश के दौरान छींटे के दौरान मॉड्यूल पृथक्करण और संरचनात्मक अखंडता के लिए।
- ये सफल परीक्षण आगामी मानव रहित गगनयान मिशनों से पहले क्रू मॉड्यूल की विश्वसनीयता को बढ़ाते हैं।

किए गए प्रमुख परीक्षण:

क्रू मॉड्यूल अपराइटिंग सिस्टम (CMUS) फ्लोट इन्फ्लेशन टेस्ट:

- क्रू मॉड्यूल अपराइटिंग सिस्टम (CMUS) को मान्य किया।
- यह सुनिश्चित करता है कि समुद्र में छींटे मारने के बाद चालक दल मॉड्यूल स्वचालित रूप से एक सीधी स्थिति में लौट आए।
- प्लवनशीलता बैग को तैनात करने के लिए संग्रहीत ठंड-गैस मुद्रास्फीति तकनीक का उपयोग करता है।
- लैंडिंग के बाद सुरक्षित अंतरिक्ष यात्री निकासी और वसूली के लिए महत्वपूर्ण।

क्रू मॉड्यूल-सर्विस मॉड्यूल कनेक्ट एंड डिस्कनेक्ट सिस्टम (सीएससीडीएस) टेस्ट:

- क्रू मॉड्यूल और सर्विस मॉड्यूल के बीच गर्भनाल पृथक्करण तंत्र का सफलतापूर्वक परीक्षण किया।
- पुन: प्रवेश से पहले विद्युत, संचार और द्रव इंटरफेस के उचित पृथक्करण की पुष्टि करता है।
- वंश के दौरान क्रू मॉड्यूल के सुरक्षित कामकाज के लिए आवश्यक।

क्रू मॉड्यूल संरचना योग्यता परीक्षण:

- एपेक्स कवर पृथक्करण भार के खिलाफ क्रू मॉड्यूल की संरचनात्मक ताकत को मान्य किया।
- पुष्टि करता है कि मॉड्यूल पैराशूट तैनाती और पुन: प्रवेश के दौरान यांत्रिक तनाव का सामना कर सकता है।
- मिशन-महत्वपूर्ण चरणों के दौरान अंतरिक्ष यात्रियों की संरचनात्मक सुरक्षा सुनिश्चित करता है।

उद्देश्य:

- क्रू मॉड्यूल की महत्वपूर्ण सुरक्षा प्रणालियों को मान्य करें।
- सुरक्षित स्प्लैशडाउन और अंतरिक्ष यात्री पुनर्प्राप्ति सुनिश्चित करें।
- वायुमंडलीय पुन: प्रवेश से पहले पृथक्करण तंत्र को सत्यापित करें।
- भविष्य के मानव रहित और चालक दल वाले गगनयान मिशनों के लिए क्रू मॉड्यूल को अर्हता प्राप्त करें।
- मिशन की विश्वसनीयता और अंतरिक्ष यात्री सुरक्षा बढ़ाएँ।

गगनयान मिशन के बारे में:

- भारत का पहला स्वदेशी मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन।
- भारतीय मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम के तहत भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा विकसित किया गया है।
- इसका उद्देश्य तीन अंतरिक्ष यात्रियों (व्योमनोट्स) को एक छोटी अवधि के मिशन के लिए लो अर्थ ऑर्बिट (LEO) में भेजने और उन्हें सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर वापस लाने की भारत की क्षमता का प्रदर्शन करना है।
- मिशन को मानव-रेटेड LVM3 (लॉन्च व्हीकल मार्क-3) रॉकेट का उपयोग करके लॉन्च किया जाएगा।

क्रू मॉड्यूल के बारे में:

- क्रू मॉड्यूल (सीएम) रहने योग्य कैप्सूल है जो मिशन के दौरान अंतरिक्ष यात्रियों को ले जाता है।
- वायुमंडलीय पुन: प्रवेश के दौरान अत्यधिक तापमान का सामना करने के लिए डिज़ाइन किया गया।

से लैस:

- क्रू एस्केप सिस्टम (सीईएस)
- पैराशूट रिकवरी सिस्टम
- ईमानदार प्रणाली
- जीवन समर्थन प्रणाली

- नेविगेशन और संचार प्रणाली
- वायुमंडलीय पुन: प्रवेश के लिए हीट शील्ड।

इसरो के बारे में:

- स्थापित: 1969।
- मुख्यालय: बेंगलुरु, कर्नाटक।
- विभाग: अंतरिक्ष विभाग (डीओएस), भारत सरकार।
- अध्यक्ष: डॉ. वी. नारायणन।

अतिरिक्त महत्वपूर्ण तथ्य:

- संस्कृत में गगनयान का अर्थ है "स्काई क्राफ्ट"।
- यदि यह सफल होता है, तो भारत रूस (पूर्व में यूएसएसआर), संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन के बाद स्वतंत्र रूप से मनुष्यों को अंतरिक्ष में भेजने वाला चौथा देश बन जाएगा।
- क्रू एस्केप सिस्टम (सीईएस) को आपात स्थिति के दौरान अंतरिक्ष यात्रियों को लॉन्च वाहन से तेजी से दूर ले जाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- भारतीय नौसेना बंगाल की खाड़ी में इसके स्प्लैशडाउन के बाद क्रू मॉड्यूल की रिकवरी के लिए जिम्मेदार होगी।
- गगनयान मिशन में भाग लेने वाले भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला शब्द व्योमनॉट है।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- संगठन: भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो)।
- मिशन: गगनयान।
- उपलब्धि: तीन प्रमुख क्रू मॉड्यूल योग्यता परीक्षणों का सफल समापन।
- प्रमुख प्रणालियों का परीक्षण किया गया: सीएमयूएस, सीएससीडीएस, क्रू मॉड्यूल संरचना।
- उद्देश्य: अंतरिक्ष यात्री सुरक्षा और क्रू मॉड्यूल विश्वसनीयता को मान्य करें।
- प्रक्षेपण यान: मानव-रेटेड LVM3।
- मिशन प्रकार: भारत का पहला मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन।
- चालक दल की क्षमता: तीन अंतरिक्ष यात्री।
- रिकवरी एजेंसी: भारतीय नौसेना।
- स्प्लैशडाउन स्थान: बंगाल की खाड़ी।
- इसरो मुख्यालय: बेंगलुरु।
- इसरो की स्थापना: 1969।

भारत ने 56वें अंतर्राष्ट्रीय भौतिकी ओलंपियाड (IPhO) 2026 में पांच स्वर्ण पदक जीते

- भारत ने कोलंबिया के बुकारामंगा में आयोजित 56वें अंतर्राष्ट्रीय भौतिकी ओलंपियाड (आईपीएचओ) 2026 में पांच स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया, जिसमें भारतीय टीम के सभी पांच सदस्यों ने स्वर्ण पदक हासिल किए।
- स्वर्ण पदक जीतने वालों में पुणे के कनिष्क जैन, इंदौर के रिद्धेश अनंत बेंडेले, नई दिल्ली के ऋषित गर्ग, मुंबई के श्रेष्ठ सुरैया और अहमदाबाद के स्वरित जोशी शामिल हैं।
- इस उपलब्धि के साथ, भारत ने 87 देशों के 381 छात्रों के बीच रूस, चीन, कजाकिस्तान, दक्षिण कोरिया और ताइवान के साथ संयुक्त रूप से पहला स्थान हासिल किया।

अंतर्राष्ट्रीय भौतिकी ओलंपियाड (IPhO) के बारे में:

- इंटरनेशनल फिजिक्स ओलंपियाड (आईपीएचओ) माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के लिए भौतिकी में दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता है।
- पहली बार आयोजित: 1967।
- एक अलग मेजबान देश में प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है।
- प्रत्येक भाग लेने वाला देश आम तौर पर पांच छात्रों की एक टीम भेजता है।

प्रतियोगिता में शामिल हैं:

- सैद्धांतिक परीक्षाएं
- प्रायोगिक (प्रयोगशाला) परीक्षाएं
- इसका उद्देश्य भौतिकी शिक्षा में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना और युवा वैज्ञानिकों के बीच अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना है।

IPhO में भारत की भागीदारी:

- भारत का प्रतिनिधित्व पांच सदस्यीय राष्ट्रीय टीम द्वारा किया जाता है जिसका चयन बहु-स्तरीय राष्ट्रीय ओलंपियाड कार्यक्रम के माध्यम से किया जाता है।
- इस कार्यक्रम का समन्वय होमी भाभा सेंटर फॉर साइंस एजुकेशन (एचबीसीएसई) द्वारा किया जाता है, जो टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च (टीआईएफआर) का एक घटक संस्थान है।
- एचबीसीएसई भारत में विज्ञान ओलंपियाड के लिए राष्ट्रीय नोडल केंद्र के रूप में कार्य करता है।

होमी भाभा सेंटर फॉर साइंस एजुकेशन (HBCSE) के बारे में:

- स्थापित: 1974.
- स्थान: मुंबई, महाराष्ट्र।
- निदेशक: प्रोफेसर अर्नब भट्टाचार्य
- मूल संस्थान: टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च (टीआईएफआर)।
- भूमिका: भारत में विज्ञान और गणित शिक्षा को बढ़ावा देने और ओलंपियाड कार्यक्रमों के समन्वय के लिए राष्ट्रीय केंद्र।

टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च (TIFR) के बारे में:

- स्थापित: 1945।
- संस्थापक: डॉ. होमी जहांगीर भाभा।
- मुख्यालय: मुंबई, महाराष्ट्र।
- निर्देशक: जयराम एन. चेंगलूर
- प्रशासनिक मंत्रालय: परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई), भारत सरकार।
- यह मौलिक वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए भारत के प्रमुख संस्थानों में से एक है।

- घटना: 56वां अंतर्राष्ट्रीय भौतिकी ओलंपियाड (आईपीएचओ)।
- जारी करने का वर्ष: 2026।
- स्थान: बुकारामंगा, कोलंबिया।
- भारत की पदक तालिका : 5 स्वर्ण पदक
- उपलब्धि: सभी पांच भारतीय प्रतिभागियों ने स्वर्ण पदक जीता; भारत संयुक्त रूप से पहले स्थान पर रहा।
- प्रतियोगिता स्तर: माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के लिए अंतर्राष्ट्रीय भौतिकी प्रतियोगिता।
- भारतीय नोडल संस्थान: होमी भाभा सेंटर फॉर साइंस एजुकेशन (एचबीसीएसई)।
- एचबीसीएसई की मूल संस्था: टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च (टीआईएफआर)।
- टीआईएफआर प्रशासनिक मंत्रालय: परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई)।
- आईपीएचओ पहली बार आयोजित: 1967।
- टीम का आकार: भाग लेने वाले देश प्रति पांच छात्र।
- भारतीय स्वर्ण पदक विजेता:
- कनिष्क जैन – पुणे, महाराष्ट्र।
- रिद्धेश अनंत बेंडाले – इंदौर, मध्य प्रदेश
- ऋषित गर्ग – नई दिल्ली।
- श्रेष्ठ सुरैया – मुंबई, महाराष्ट्र।
- स्वरूपित जोशी – अहमदाबाद, गुजरात।

परीक्षा फोकस बिंदु:

ईपीएफओ ने छूट प्राप्त भविष्य निधि ट्रस्टों के लिए माफी योजना 2026 शुरू की

- श्रम और रोजगार मंत्रालय के तहत कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO) ने एमनेस्टी योजना 2026 शुरू की है, जो छूट प्राप्त भविष्य निधि (PF) ट्रस्टों का संचालन करने वाले प्रतिष्ठानों को कर्मचारी भविष्य निधि और विविध प्रावधान (EPF और MP) अधिनियम, 1952 के तहत अपनी स्थिति को नियमित करने का एक बार का अवसर प्रदान करती है।
- यह योजना 29 जून 2026 को अपनी अधिसूचना से छह महीने तक खुली रहेगी।
- इसका उद्देश्य वित्त अधिनियम, 2026 के माध्यम से पेश किए गए संशोधनों के बाद पात्र पीएफ ट्रस्टों को संशोधित कानूनी ढांचे के अनुपालन में लाना है।

उद्देश्य:

- छूट प्राप्त पीएफ ट्रस्टों को नियमित करने के लिए एक बार का अवसर प्रदान करें।
- नियोक्ता-प्रबंधित पीएफ ट्रस्टों को एक समान वैधानिक ढांचे के तहत लाएं।

- भविष्य निधि ट्रस्टों के कानूनी अनुपालन और शासन में सुधार करना।
- कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति बचत की रक्षा करें और वैधानिक लाभ सुनिश्चित करें।
- लंबित मुकदमेबाजी और प्रशासनिक विवादों को कम करें।

योजना के मुख्य लाभ:

- ईपीएफ और एमपी अधिनियम, 1952 की धारा 17 और सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 की धारा 143 के तहत निर्धारित शर्तों के अधीन पूर्वव्यापी छूट प्रदान करता है।
- कुछ पात्रता आवश्यकताओं जैसे न्यूनतम कर्मचारी संख्या, कॉर्पस आकार और अनिवार्य अनुपालन अवधि को माफ करता है।
- पीएफ बकाया, हर्जाने और ब्याज से संबंधित लंबित आकलन को वापस लेने की अनुमति देता है जहां वैधानिक शर्तें पूरी होती हैं।
- छूट प्राप्त पीएफ ट्रस्टों के तहत आने वाले कर्मचारियों के लिए कानूनी निश्चितता में सुधार करता है।

वांछनीयता:

- आयकर अधिनियम, 1961 के तहत मान्यता प्राप्त भविष्य निधि ट्रस्टों के संचालन वाले प्रतिष्ठानों पर लागू होता है, लेकिन ईपीएफ अधिनियम के तहत केंद्र या राज्य सरकार से औपचारिक छूट अधिसूचना के बिना।
- इस योजना में शामिल हैं:
- गैर-छूट प्राप्त प्रतिष्ठानों के रूप में काम करते समय पूर्वव्यापी नियमितीकरण की मांग करने वाले प्रतिष्ठान।
- सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 के तहत छूट प्राप्त प्रतिष्ठानों के रूप में जारी रखते हुए पूर्वव्यापी नियमितीकरण की मांग करने वाले प्रतिष्ठान।

छूट प्राप्त भविष्य निधि ट्रस्ट के बारे में:

- एक छूट प्राप्त पीएफ ट्रस्ट एक नियोक्ता-प्रबंधित भविष्य निधि ट्रस्ट है जो कर्मचारियों के पीएफ योगदान को सीधे ईपीएफओ के साथ जमा करने के बजाय प्रशासित करता है।
- ऐसे ट्रस्टों को ईपीएफ योजना के तहत उपलब्ध लाभ के बराबर या उससे बेहतर लाभ प्रदान करना चाहिए।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO) के बारे में:

- स्थापित: 1952।
- प्रशासनिक मंत्रालय: श्रम और रोजगार मंत्रालय।
- मुख्यालय: नई दिल्ली।
- संगठन कार्यकारी: रमेश कृष्णमूर्ति
- सांविधिक आधार: कर्मचारी भविष्य निधि और विविध प्रावधान (ईपीएफ और एमपी) अधिनियम, 1952।

ईपीएफओ प्रशासित करता है:

- कर्मचारी भविष्य निधि (EPF)
- कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस), 1995
- कर्मचारी जमा लिंक्ड बीमा (ईडीएलआई) योजना, 1976

अतिरिक्त महत्वपूर्ण तथ्य:

- ईपीएफ और एमपी अधिनियम, 1952 की धारा 17 ईपीएफ योजना से छूट की अनुमति देती है यदि कोई प्रतिष्ठान पीएफ लाभ प्रदान करता है जो ईपीएफओ के तहत लाभ से कम अनुकूल नहीं है।
- वित्त अधिनियम, 2026 ने मान्यता प्राप्त भविष्य निधि को नियंत्रित करने वाले आयकर ढांचे को ईपीएफ अधिनियम, 1952 और सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 के साथ जोड़ा है।
- सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 सामाजिक सुरक्षा से संबंधित नौ केंद्रीय श्रम कानूनों को एक संहिता में समेकित करती है।
- ईपीएफओ केंद्रीय न्यासी बोर्ड (सीबीटी) के तहत कार्य करता है, जो एक त्रिपक्षीय निकाय है जिसमें सरकार, नियोक्ता और कर्मचारियों के प्रतिनिधि शामिल हैं।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- संगठन: कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ)।
- मंत्रालय: श्रम और रोजगार मंत्रालय।
- योजना: एमनेस्टी योजना 2026।
- लॉन्च की तारीख: 29 जून 2026।
- वैधता: छह महीने।
- लाभार्थी: छूट प्राप्त भविष्य निधि ट्रस्ट।
- उद्देश्य: पीएफ ट्रस्टों का नियमितीकरण और बेहतर वैधानिक अनुपालन।
- प्रासंगिक कानून: ईपीएफ और एमपी अधिनियम, 1952।
- प्रासंगिक प्रावधान: धारा 17 (छूट)।
- संबंधित कानून: सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020।
- ईपीएफओ मुख्यालय: नई दिल्ली।
- ईपीएफओ की स्थापना: 1952।

कतर के पूर्व अमीर शेख हमद बिन खलीफा अल थानी का 74 साल की उम्र में निधन

- कतर के पूर्व अमीर, शेख हमद बिन खलीफा अल थानी का 74 वर्ष की आयु में निधन हो गया।
- उन्होंने 1995 से 2013 तक कतर के अमीर के रूप में कार्य किया और उन्हें व्यापक रूप से आधुनिक कतर के वास्तुकार के रूप में माना जाता है, जो देश को वैश्विक आर्थिक, ऊर्जा और राजनयिक शक्ति में बदल देता है।
- उनके नेतृत्व में, कतर तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) के दुनिया के अग्रणी निर्यातक के रूप में उभरा, अपने संप्रभु धन निवेश का काफी विस्तार किया और अपने वैश्विक प्रभाव को बढ़ाया। उनके निधन के बाद, कतर ने चार दिनों के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की, जबकि भारत ने सम्मान के प्रतीक के रूप में 13 जुलाई 2026 को एक दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की।

कतर के बारे में:

• राजधानी: दोहा।
• मुद्रा: कतरी रियाल (QAR)।
• वर्तमान अमीर: शेख तमीम बिन हमद अल थानी।
• राजभाषा: अरबी।
• क्षेत्र: पश्चिम एशिया (मध्य पूर्व)।
• प्रमुख प्राकृतिक संसाधन: प्राकृतिक गैस।

- कतर ईरान (जहां इसे साउथ पार्स गैस फील्ड के रूप में जाना जाता है) के साथ दुनिया के सबसे बड़े प्राकृतिक गैस क्षेत्र नॉर्थ फील्ड को साझा करता है।

यह इसका सदस्य है:

खाड़ी सहयोग परिषद (GCC):

- पेट्रोलियम निर्यातक देशों का संगठन (ओपेक) (कतर 2019 में ओपेक से हट गया)
- संयुक्त राष्ट्र (यूएन)
- विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ)।

भारत-कतर संबंध:

भारत और कतर के बीच मजबूत संबंध हैं:

• ऊर्जा सहयोग (विशेष रूप से एलएनजी आयात)
• व्यापार और निवेश
• रक्षा और समुद्री सुरक्षा
• भारतीय प्रवासी कल्याण
• कतर तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) के भारत के प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं में से एक है, जो इसे एक महत्वपूर्ण ऊर्जा भागीदार बनाता है।

अतिरिक्त महत्वपूर्ण तथ्य:

- कतर तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) के दुनिया के सबसे बड़े निर्यातकों में से एक है।
- कतर निवेश प्राधिकरण (QIA) कतर का संप्रभु धन कोष है।
- दुनिया के अग्रणी अंतरराष्ट्रीय समाचार नेटवर्क में से एक अल जज़ीरा को 1996 में शेख हमद के शासनकाल के दौरान लॉन्च किया गया था।
- खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) की स्थापना 1981 में हुई थी और इसमें बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं।

परीक्षा फोकस बिंदु:

• व्यक्ति: शेख हमद बिन खलीफा अल थानी।
• देश: कतर।
• पद: कतर के पूर्व अमीर (1995-2013)।
• उत्तराधिकारी: शेख तमीम बिन हमद अल थानी।
• मृत्यु के समय आयु: 74 वर्ष।
• कतर की राजधानी: दोहा।
• मुद्रा: कतरी रियाल (QAR)।
• प्रमुख निर्यात: तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी)।
• सॉवरेन वेल्थ फंड: कतर निवेश प्राधिकरण (क्यूआईए)।
• उनके शासनकाल के दौरान स्थापित प्रमुख मीडिया नेटवर्क: अल जज़ीरा।
• भारत की श्रद्धांजलि: 13 जुलाई 2026 को एक दिवसीय राष्ट्रीय शोक।
• कतर का शोक अवधि: चार दिन।

भारत ने यमन के लिए 2017 की विशेष यात्रा शर्तें वापस लीं

- विदेश मंत्रालय (एमईए) ने 2017 की अधिसूचना को वापस ले लिया है, जिसमें यमन की यात्रा करने वाले भारतीय नागरिकों पर विशेष यात्रा शर्तें लगाई गई थीं।
- प्रतिबंध मूल रूप से यमनी गृहयुद्ध के कारण सुरक्षा स्थिति के बिगड़ने के बाद लगाए गए थे। हालांकि कानूनी प्रतिबंध अब हटा दिए गए हैं, विदेश मंत्रालय भारतीय नागरिकों को यमन की गैर-जरूरी यात्रा से बचने और संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों से बचने की सलाह देना जारी रखता है। यमन में रहने वाले या यात्रा करने वाले भारतीयों को भी सलाह दी गई है कि वे आपात स्थिति के दौरान सहायता की सुविधा के लिए रियाद, सऊदी अरब में भारतीय दूतावास के साथ पंजीकरण कराएं।

उद्देश्य:

- 2017 में लगाए गए पुराने कानूनी यात्रा प्रतिबंधों को हटा दें।
- वर्तमान सुरक्षा मूल्यांकन के अनुरूप यात्रा की सुविधा प्रदान करें।
- विदेशों में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करना जारी रखें।
- आपात स्थिति में यात्रियों के लिए अनिवार्य पंजीकरण के माध्यम से कांसुलर समर्थन को मजबूत करना।

2017 अधिसूचना के बारे में:

- पासपोर्ट अधिनियम, 1967 के तहत जारी किया गया, यमनी गृहयुद्ध के फैलने और बिगड़ती सुरक्षा स्थिति के बाद।
- इसने यमन की यात्रा करने वाले भारतीय नागरिकों पर उनकी सुरक्षा के लिए विशेष शर्तें लगाईं।
- अधिसूचना को अब तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया गया है, हालांकि यात्रा परामर्श लागू है।

यमन के बारे में:

• राजधानी: सना (संवैधानिक राजधानी; अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार वर्तमान में संघर्ष के कारण मुख्य रूप से अदन से संचालित होती है)।
• मुद्रा: यमनी रियाल (YER)।
• प्रधान मंत्री: शिया अल-जिंदानी
• क्षेत्र: पश्चिम एशिया (मध्य पूर्व)।
• पड़ोसी देश: सऊदी अरब और ओमान।
• सामरिक जलमार्ग: बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य, लाल सागर को अदन की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ता है।
• यमन 2014 से लंबे समय तक गृहयुद्ध का सामना कर रहा है, जिसके परिणामस्वरूप दुनिया के सबसे खराब मानवीय संकटों में से एक है।

बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य के बारे में:

- यमन, जिबूती और इरिट्रिया के बीच स्थित है।
- लाल सागर को अदन की खाड़ी से जोड़ता है।
- स्वेज नहर को हिंद महासागर से जोड़ने वाला दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक।
- वैश्विक तेल और वाणिज्यिक शिपिंग का एक महत्वपूर्ण हिस्सा इस चोकपॉइंट से होकर गुजरता है।

विदेश मंत्रालय (MEA) के बारे में:

- मंत्री: सुब्रह्मण्यम जयशंकर
- भारत की विदेश नीति, राजनयिक संबंधों और विदेशों में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार।
- अंतर्राष्ट्रीय संकटों के दौरान यात्रा सलाह और निकासी दिशानिर्देश जारी करता है।
- दुनिया भर में भारतीय दूतावासों और उच्चायोगों का प्रशासन करता है।

अतिरिक्त महत्वपूर्ण तथ्य:

- ऑपरेशन राहत (2015): भारत ने युद्धग्रस्त यमन से लगभग 4,700 भारतीयों और कई अन्य देशों के नागरिकों सहित 6,700 से अधिक लोगों को निकाला।
- ऑपरेशन संकट मोचन (2016): भारत ने दक्षिण सूडान में संघर्ष क्षेत्रों से अपने नागरिकों को निकाला, जो भारत की विदेशी निकासी क्षमताओं को उजागर करता है।
- पासपोर्ट अधिनियम, 1967 भारतीय पासपोर्ट जारी करने, निलंबित करने, जब्त करने और निरस्त करने को नियंत्रित करता है।
- यात्रा सलाहकार और कानूनी यात्रा प्रतिबंध अलग-अलग हैं: कानूनी प्रतिबंधों को वापस लेने का मतलब यह नहीं है कि गंतव्य को यात्रा के लिए सुरक्षित माना जाता है।

परीक्षा फोकस बिंदु:

• देश: यमन।
• मंत्रालय: विदेश मंत्रालय (एमईए)।
• निर्णय: 2017 की विशेष यात्रा शर्तों को वापस लेना।

- 2017 अधिसूचना का कानूनी आधार: पासपोर्ट अधिनियम, 1967
- वर्तमान सलाह: यमन की गैर-जरूरी यात्रा से बचें।
- पंजीकरण आवश्यक है: भारतीय दूतावास, रियाद (सऊदी अरब)।
- रणनीतिक जलमार्ग: बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य।
- पड़ोसी देश: सऊदी अरब और ओमान।
- यमन से प्रमुख निकासी मिशन: ऑपरेशन राहत (2015)।
- संघर्ष: यमनी गृहयुद्ध (2014 से)।

भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकिंग प्रणाली से 1.10 लाख करोड़ रुपये की अधिशेष तरलता को अवशोषित किया

- भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने तरलता समायोजन सुविधा (LAF) के तहत अपनी परिवर्तनीय दर रिवर्स रेपो (VRRR) नीलामी के माध्यम से बैंकिंग प्रणाली से 1.10 लाख करोड़ रुपये की अधिशेष तरलता को अवशोषित किया।
- यह कदम बैंकिंग प्रणाली में अतिरिक्त तरलता का प्रबंधन करने, मौद्रिक नीति के प्रभावी संचरण को सुनिश्चित करने और नीतिगत रेपो दर के करीब अल्पकालिक ब्याज दरों को बनाए रखने के लिए उठाया गया था। भारतीय रिज़र्व बैंक नीतिगत ब्याज दरों में बदलाव किए बिना धन की आपूर्ति को संतुलित करने के लिए इस तरह के तरलता प्रबंधन कार्यों का उपयोग करता है।

उद्देश्य:

- बैंकिंग प्रणाली में अतिरिक्त तरलता का प्रबंधन करना।
- रातोंरात मुद्रा बाजार दरों को पॉलिसी रेपो दर के अनुरूप रखें।
- मौद्रिक नीति संचरण में सुधार करें।
- वित्तीय स्थिरता बनाए रखें और मुद्रास्फीति के दबाव को नियंत्रित करें।
- बैंकिंग क्षेत्र में कुशल तरलता प्रबंधन सुनिश्चित करना।

वेरिएबल रेट रिवर्स रेपो (VRRR) के बारे में:

- भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा तरलता समायोजन सुविधा (एलएएफ) के अंतर्गत उपयोग किया जाने वाला एक तरलता अवशोषण उपकरण।
- बैंक नीलामी में भाग लेकर अपने अधिशेष धन को आरबीआई के पास पार्क करते हैं।
- ब्याज दर का निर्धारण अग्रिम रूप से निर्धारित करने के बजाय प्रतिस्पर्धी बोली के माध्यम से किया जाता है।
- वीआरआरआर का उपयोग आमतौर पर तब किया जाता है जब बैंकिंग प्रणाली में अतिरिक्त तरलता होती है।

तरलता समायोजन सुविधा (LAF) के बारे में:

- 2000 में आरबीआई द्वारा पेश किया गया।
- यह RBI को बैंकिंग प्रणाली में अल्पकालिक तरलता का प्रबंधन करने में सक्षम बनाता है:
- रेपो संचालन (तरलता इंजेक्शन)
- रिवर्स रेपो/वीआरआरआर संचालन (तरलता अवशोषण)
- एलएएफ तरलता और ब्याज दर स्थिरता बनाए रखने के लिए आरबीआई की प्रमुख मौद्रिक नीति साधनों में से एक है।

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के बारे में:

- स्थापना: 1 अप्रैल 1935।
- राष्ट्रीयीकृत: 1 जनवरी 1949।
- मुख्यालय: मुंबई, महाराष्ट्र।
- राज्यपाल: संजय मल्होत्रा।
- सांविधिक आधार: भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934
- आरबीआई भारत का केंद्रीय बैंक है जो मौद्रिक नीति, मुद्रा जारी करने, बैंकिंग विनियमन और विदेशी मुद्रा भंडार के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार है।

अतिरिक्त महत्वपूर्ण तथ्य:

- रेपो दर: वह दर जिस पर आरबीआई सरकारी प्रतिभूतियों के बदले वाणिज्यिक बैंकों को अल्पकालिक धन उधार देता है।
- रिवर्स रेपो/वीआरआरआर: आरबीआई द्वारा बैंकों से अतिरिक्त तरलता को अवशोषित करने के लिए उपयोग किया जाता है।
- स्थायी जमा सुविधा (एसडीएफ): 2022 में तरलता समायोजन सुविधा गलियारे के तल के रूप में पेश किया गया; यह आरबीआई को संपार्श्विक प्रदान किए बिना तरलता को अवशोषित करने में सक्षम बनाता है।
- ओपन मार्केट ऑपरेशंस (OMO): टिकाऊ तरलता को इंजेक्ट करने या अवशोषित करने के लिए RBI द्वारा सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद या बिक्री।

- नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर): बैंक की शुद्ध मांग और समय देनदारियों (एनडीटीएल) का प्रतिशत जिसे आरबीआई के साथ नकद में बनाए रखा जाना चाहिए।
- वैधानिक तरलता अनुपात (एसएलआर): एनडीटीएल का प्रतिशत जिसे बैंकों को नकदी जैसी तरल परिसंपत्तियों जैसे नकद, सोना या अनुमोदित सरकारी प्रतिभूतियों में बनाए रखना चाहिए।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- संस्थान: भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई)।
- अवशोषित राशि: ₹1.10 लाख करोड़
- उपकरण: परिवर्तनीय दर रिवर्स रेपो (VRRR)।
- फ्रेमवर्क: लिक्विडिटी एडजस्टमेंट फैसिलिटी (एलएएफ)।
- उद्देश्य: बैंकिंग प्रणाली से अधिशेष तरलता को अवशोषित करना।
- एलएएफ पेश किया गया: 2000।
- आरबीआई की स्थापना: 1935।
- आरबीआई मुख्यालय: मुंबई।
- RBI गवर्नर: संजय मल्होत्रा।
- संबंधित मौद्रिक उपकरण: रेपो दर, स्थायी जमा सुविधा (एसडीएफ), ओपन मार्केट ऑपरेशंस (ओएमओ), सीआरआर और एसएलआर।

सेबी ने म्यूचुअल फंडों को इंट्राडे उधार सुविधा का लाभ उठाने की अनुमति दी

- भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने म्यूचुअल फंडों को बाजार निपटान समय में अंतर के कारण उत्पन्न होने वाली अस्थायी तरलता विसंगतियों का प्रबंधन करने के लिए एक नए नियामक ढांचे के तहत इंट्राडे उधार सुविधाओं का लाभ उठाने की अनुमति दी है।
- नया ढांचा 1 सितंबर 2026 से लागू होगा और इसका उद्देश्य निवेशक सुरक्षा के लिए पर्याप्त सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करते हुए अधिक परिचालन लचीलापन प्रदान करना है। इस सुविधा का उपयोग केवल निर्दिष्ट उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है, और सभी उधारों को उसी कारोबारी दिन के अंत से पहले चुकाया जाना चाहिए।

इंट्राडे उधार के अनुमत उपयोग:

यूनिटहोल्डर भुगतान, जिसमें शामिल हैं:

- मोचन
- आय वितरण सह पूंजी निकासी (आईडीसीडब्ल्यू) भुगतान

ब्याज भुगतान:

- निवेश का निपटान।
- मार्क-टू-मार्केट (MTM) दायित्व।
- विदेशी मुद्रा (विदेशी मुद्रा) बस्तियों।
- मौजूदा ऋणों की चुकौती।

मुख्य सुरक्षा:

- इंट्राडे उधार को ट्रेडिंग दिन के अंत से पहले चुकाया जाना चाहिए।
- इस सुविधा का उपयोग दीर्घकालिक वित्तपोषण के लिए नहीं किया जा सकता है।
- एसेट मैनेजमेंट कंपनियां (एएमसी) सभी उधार लागत वहन करेंगी।
- एएमसी को उचित रिकॉर्ड बनाए रखना चाहिए और इस तरह के उधार का लाभ उठाने के लिए बोर्ड द्वारा अनुमोदित नीतियां होनी चाहिए।
- यह ढांचा केवल तरलता प्रबंधन के लिए है, न कि निवेश का लाभ उठाने के लिए।

उद्देश्य:

- अस्थायी नकदी प्रवाह बेमेल के कुशल प्रबंधन को सक्षम करें।
- निवेशकों को समय पर मोचन और भुगतान सुनिश्चित करें।
- म्यूचुअल फंड की परिचालन दक्षता में सुधार करना।
- प्रणालीगत जोखिम को बढ़ाए बिना तरलता प्रबंधन को मजबूत करना।
- एक विनियमित उधार ढांचे के माध्यम से निवेशकों का विश्वास बढ़ाएं।

म्यूचुअल फंड के बारे में:

- म्यूचुअल फंड एक पेशेवर रूप से प्रबंधित निवेश वाहन है जो कई निवेशकों से धन जमा करता है और इसे इक्विटी, ऋण प्रतिभूतियों, मुद्रा बाजार उपकरणों, सोना या अन्य परिसंपत्तियों में निवेश करता है।
- भारत में म्यूचुअल फंड को SEBI (म्यूचुअल फंड) विनियम, 2026 के तहत SEBI द्वारा विनियमित किया जाता है।

- इनका प्रबंधन निवेशकों की ओर से एसेट मैनेजमेंट कंपनियों (एएमसी) द्वारा किया जाता है।

सेबी के बारे में:

• स्थापित: 12 अप्रैल 1988 (1992 में वैधानिक स्थिति)।
• मुख्यालय: मुंबई, महाराष्ट्र।
• अध्यक्ष: तुहिन कांता पांडे
• वैधानिक आधार: सेबी अधिनियम, 1992।
• भूमिका: प्रतिभूति बाजार को नियंत्रित करता है, निवेशकों के हितों की रक्षा करता है, और भारत के पूंजी बाजारों के विकास को बढ़ावा देता है।

अतिरिक्त महत्वपूर्ण तथ्य:

- इंट्राडे उधार लेने से तात्पर्य उधार से है जो उसी कारोबारी दिन के भीतर लिया और चुकाया जाता है।
- तरलता बेमेल तब होता है जब अपेक्षित नकदी प्रवाह प्राप्त होने से पहले भुगतान दायित्व उत्पन्न होते हैं।
- एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) म्यूचुअल फंड योजनाओं का प्रबंधन करती है और निवेशकों से एकत्र किए गए धन का निवेश करती है।
- AMFI (एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया) भारत में पंजीकृत म्यूचुअल फंड का प्रतिनिधित्व करने वाला उद्योग निकाय है।
- आय वितरण सह पूंजी निकासी (आईडीसीडब्ल्यू) सेबी द्वारा म्यूचुअल फंड भुगतान के लिए पहले की अवधि के लाभांश के स्थान पर शुरू की गई अवधि है।

- सेबी ने अपनी जून 2026 की बोर्ड बैठक में इंट्राडे उधार लेने के लिए व्यापक ढांचे को मंजूरी दी, इसके बाद जुलाई 2026 में विस्तृत परिचालन दिशानिर्देश जारी किए गए।

परीक्षा फोकस बिंदु:

• नियामक: भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी)।
• निर्णय: म्यूचुअल फंड को इंट्राडे उधार सुविधा का लाभ उठाने की अनुमति दी गई।
• प्रभावी तिथि: 1 सितंबर 2026।
• उद्देश्य: अस्थायी तरलता बेमेल प्रबंधित करें।
• इन पर लागू: म्यूचुअल फंड और एसेट मैनेजमेंट कंपनियां (एएमसी)।
• उधार लेने की अवधि: उसी कारोबारी दिन के भीतर चुकाया जाना चाहिए।
• अनुमत उपयोग: मोचन, आईडीसीडब्ल्यू भुगतान, निवेश निपटान, एमटीएम दायित्व, विदेशी मुद्रा निपटान, मौजूदा उधारों का पुनर्भुगतान।
• संबंधित उद्योग निकाय: एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (AMFI)।
• सेबी मुख्यालय: मुंबई।
• सेबी अधिनियम: 1992

जैनिक सिनर ने विंबलडन पुरुष एकल खिताब बरकरार रखा; गुओ हान्यू और क्रिस्टीना म्लादेनोविच ने महिला युगल का खिताब जीता

- दुनिया के नंबर 1 यानिक सिनर ने फाइनल में अलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर अपने विंबलडन पुरुष एकल खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया और लगातार दूसरा विंबलडन खिताब और पांचवां ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीता।
- महिला युगल स्पर्धा में, गुओ हान्यू (चीन) और क्रिस्टीना म्लादेनोविच (फ्रांस) की जोड़ी ने फाइनल में गैब्रिएला डाब्रोवस्की (कनाडा) और लुइसा स्टेफनी (ब्राजील) को हराकर एक साथ अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीता।

2026 चैंपियन:

• पुरुष एकल: Jannik Sinner (इटली)
• महिला एकल: लिंडा नोस्कोवा (चेक गणराज्य)
• पुरुष युगल: हैरी हेलियोवारा (फिनलैंड) / हेनरी पैटन (यूनाइटेड किंगडम)
• महिला युगल: गुओ हान्यू (चीन) क्रिस्टीना म्लादेनोविच (फ्रांस)
• मिश्रित युगल: मार्सेलो अरेवालो (अल सल्वाडोर) / जेजेना ओस्टापेंको (लातविया)

विंबलडन चैंपियनशिप के बारे में:

• विंबलडन चैंपियनशिप दुनिया का सबसे पुराना टेनिस टूर्नामेंट है, जो पहली बार 1877 में आयोजित किया गया था।

- यह ऑल इंग्लैंड लॉन टेनिस एंड क्रोकेट क्लब (AELTC) द्वारा आयोजित किया जाता है।
- यह ग्रास कोर्ट पर खेला जाने वाला एकमात्र ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट है।
- लंदन, यूनाइटेड किंगडम में प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है, आमतौर पर जून-जुलाई के दौरान।
- विंबलडन टेनिस के चार ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंटों में से एक है।

ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के बारे में:

चार ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट हैं:

- ऑस्ट्रेलियन ओपन - हार्ड कोर्ट
- फ्रेंच ओपन (रोलैंड गैरोस) - क्ले कोर्ट
- विंबलडन चैंपियनशिप - ग्रास कोर्ट
- यूएस ओपन - हार्ड कोर्ट

- एक ही कैलेंडर वर्ष में सभी चार ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतना कैलेंडर ग्रैंड स्लैम के रूप में जाना जाता है।

जैनिक सिनर के बारे में:

- देश: इटली।
- वर्तमान रैंकिंग: विश्व नंबर 1 (एटीपी)।
- खेलने की शैली: दाएं हाथ (दो हाथ का बैकहैंड)।
- वह 2025 में विंबलडन पुरुष एकल खिताब जीतने वाले पहले इतालवी खिलाड़ी बने और 2026 में इसका सफलतापूर्वक बचाव किया।
- वह पुरुष टेनिस में वर्तमान पीढ़ी के अग्रणी खिलाड़ियों में से एक हैं।

क्रिस्टीना म्लादेनोविक के बारे में:

- देश: फ्रांस।
- महिला युगल में पूर्व विश्व नंबर 1।
- कई ग्रैंड स्लैम युगल चैंपियन।
- महिला युगल और मिश्रित युगल प्रतियोगिताओं में अपनी सफलता के लिए जानी जाती हैं।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- टूर्नामेंट: विंबलडन चैंपियनशिप 2026।
- स्थान: लंदन, यूनाइटेड किंगडम।
- पुरुष एकल चैंपियन: जैनिक सिनर (इटली)।
- उपविजेता: अलेक्जेंडर ज्वेरेव (जर्मनी)
- महिला युगल चैंपियन: गुओ हान्यू (चीन) और क्रिस्टीना म्लादेनोविच (फ्रांस)।
- पुरुष एकल उपलब्धि: जैनिक सिनर ने विंबलडन खिताब बरकरार रखा और अपना पांचवां ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीता।
- सतह: घास का मैदान।
- सबसे पुराना ग्रैंड स्लैम: विंबलडन (1877)।
- आयोजक: ऑल इंग्लैंड लॉन टेनिस एंड क्रोकेट क्लब (एईएलटीसी)।
- वैश्विक शासी निकाय: अंतर्राष्ट्रीय टेनिस महासंघ (आईटीएफ)।

जुरासिक पार्क के अभिनेता सैम नील का 78 साल की उम्र में निधन

- न्यूजीलैंड के प्रसिद्ध अभिनेता सर सैम नील, जिन्हें जुरासिक पार्क फिल्म फ्रेंचाइजी में डॉ. एलन ग्रांट की भूमिका निभाने के लिए जाना जाता है, का सिडनी, ऑस्ट्रेलिया में 78 वर्ष की आयु में निधन हो गया।
- पांच दशकों से अधिक के करियर के साथ, सैम नील को अंतरराष्ट्रीय सिनेमा में सबसे बहुमुखी अभिनेताओं में से एक माना जाता था, जो जुरासिक पार्क, द पियानो, द हंट फॉर रेड अक्टूबर और पीकी ब्लाइंडर्स सहित 150 से अधिक फिल्मों और टेलीविजन प्रस्तुतियों में दिखाई देते थे। उन्हें फिल्म और अभिनय के लिए उनकी सेवाओं के लिए 2022 में नाइटहुड से भी सम्मानित किया गया था।

उल्लेखनीय फिल्में:

- जुरासिक पार्क (1993)
- जुरासिक पार्क III (2001)
- जुरासिक वर्ल्ड डोमिनियन (2022)
- पियानो (1993)
- द हंट फॉर रेड अक्टूबर (1990)

- डेड कैलम (1989)

न्यूजीलैंड के बारे में:

- राजधानी: वेलिंगटन।
- सबसे बड़ा शहर: ऑकलैंड।
- मुद्रा: न्यूजीलैंड डॉलर (NZD)।
- प्रधान मंत्री: क्रिस्टोफर लक्सन।
- आधिकारिक भाषाएँ: अंग्रेजी, माओरी और न्यूजीलैंड सांकेतिक भाषा।

अतिरिक्त महत्वपूर्ण तथ्य:

- न्यूजीलैंड ऑर्डर ऑफ मेरिट (NZOM) न्यूजीलैंड के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में से एक है, जो राष्ट्र के लिए उत्कृष्ट सेवा के लिए प्रदान किया जाता है।
- सैम नील का जन्म उत्तरी आयरलैंड में हुआ था, लेकिन बचपन के दौरान न्यूजीलैंड चले गए, जहां उन्होंने अपने अभिनय करियर का निर्माण किया।
- जुरासिक पार्क ने फिल्म निर्माण में कंप्यूटर-जनरेटेड इमेजरी (सीजीआई) के अग्रणी उपयोग के माध्यम से दृश्य प्रभावों में क्रांति ला दी।
- अकादमी पुरस्कार (ऑस्कर) संयुक्त राज्य अमेरिका में एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज (AMPAS) द्वारा प्रतिवर्ष प्रस्तुत किए जाते हैं।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- व्यक्ति: सर सैम नील।
- राष्ट्रीयता: न्यूजीलैंड।
- मृत्यु के समय आयु: 78 वर्ष।
- सबसे प्रसिद्ध भूमिका: जुरासिक पार्क में डॉ. एलन ग्रांट।
- उल्लेखनीय फिल्म: जुरासिक पार्क (1993)।
- जुरासिक पार्क के निदेशक: स्टीवन स्पीलबर्ग।
- मूल लेखक: माइकल क्रिचटन।
- नाइटहुड प्राप्त: 2022।
- न्यूजीलैंड की राजधानी: वेलिंगटन।
- मुद्रा: न्यूजीलैंड डॉलर (NZD)।
- न्यूजीलैंड के प्रधान मंत्री: क्रिस्टोफर लक्सन।

भारतीय वायु सेना को WDMMA ग्लोबल एयर पावर रैंकिंग 2026 में दुनिया की तीसरी सबसे शक्तिशाली वायु सेना का स्थान दिया गया

- भारतीय वायु सेना (IAF) को वर्ल्ड डायरेक्टरी ऑफ मॉडर्न मिलिट्री एयरक्राफ्ट (WDMMA) द्वारा जारी 2026 ग्लोबल एयर पावर रैंकिंग में दुनिया की तीसरी सबसे शक्तिशाली वायु सेना के रूप में स्थान दिया गया है।
- भारतीय वायुसेना ने लगातार पांचवें वर्ष इस स्थान को बरकरार रखा है और चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी एयर फोर्स (पीएलएएफ) से आगे है।
- रैंकिंग न केवल विमानों की संख्या का आकलन करती है, बल्कि आधुनिकीकरण, युद्ध क्षमता, रसद, प्रशिक्षण, परिचालन तत्परता और बल संतुलन जैसे कारकों का भी आकलन करती है।

मुख्य विचार:

- रैंकिंग एजेंसी: आधुनिक सैन्य विमान की विश्व निर्देशिका (डब्ल्यूडीएमएमए)।
- भारत की रैंक: तीसरी सबसे शक्तिशाली वायु सेना।
- उपलब्धि: लगातार पांचवें वर्ष तीसरा स्थान बरकरार रखा।
- आगे की स्थिति: चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी एयर फोर्स (PLAAF)।
- शीर्ष रैंक वाली वायु सेना: संयुक्त राज्य वायु सेना (पहला) और रूसी एयरोस्पेस बल (दूसरा)।

WDMMA रैंकिंग का उद्देश्य:

- वैश्विक वायु सेनाओं की समग्र युद्ध प्रभावशीलता का आकलन करें।
- सैन्य विमानन के गुणात्मक और मात्रात्मक पहलुओं का मूल्यांकन करें।
- केवल विमान संख्या के बजाय परिचालन क्षमता को मापें।
- वायु सेना के आधुनिकीकरण, रसद, उत्तरजीविता और मिशन तत्परता की तुलना करें।

रैंकिंग पैरामीटर:

- विमान की गुणवत्ता और लड़ाकू क्षमता।
- बेड़े का आधुनिकीकरण।
- रसद और रखरखाव सहायता।

- हमला और रक्षात्मक क्षमताएं।
- प्रशिक्षण मानक और परिचालन तत्परता।
- बल संरचना और मिशन बहुमुखी प्रतिभा।
- रैंकिंग TruVal रेटिंग (TVR) का उपयोग करती है, जो संख्यात्मक शक्ति पर क्षमता पर जोर देती है।

भारतीय वायु सेना (IAF) के बारे में:

• स्थापना: 8 अक्टूबर 1932।
• मुख्यालय: नई दिल्ली।
• आदर्श वाक्य: नाभा स्पर्शम् दीप्तम ("महिमा के साथ आकाश को छूएं")।
• वायु सेना प्रमुख: एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह।

- भारतीय वायुसेना भारतीय सशस्त्र बलों की वायु शाखा है और भारतीय हवाई क्षेत्र की सुरक्षा, हवाई युद्ध, रणनीतिक एयरलिफ्ट, टोही और मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) संचालन के लिए जिम्मेदार है।

भारतीय वायुसेना में प्रमुख विमान:

• राफेल
• सुखोई-30 एमकेआई
• एलसीए तेजस
• मिराज 2000
• मिग-29
• जागुआर
• सी-17 ग्लोबमास्टर III
• C-130J सुपर हरक्यूलिस
• चिनूक हेवी-लिफ्ट हेलीकॉप्टर
• AH-64E अपाचे अटैक हेलीकॉप्टर
• एलसीएच प्रचंड

अतिरिक्त महत्वपूर्ण तथ्य:

- आधुनिक सैन्य विमान की विश्व निर्देशिका (WDMMA) वार्षिक वैश्विक वायु शक्ति रैंकिंग प्रकाशित करती है।
- WDMMA ट्रूवल रेटिंग (TVR) का उपयोग करके वायु सेना का मूल्यांकन करता है, जो अकेले बेड़े के आकार की तुलना में क्षमता, आधुनिकीकरण, रसद और मिशन प्रभावशीलता को अधिक महत्व देता है।
- भारतीय वायुसेना एलसीए तेजस एमके-1ए, भविष्य के उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान (एएमसीए), अतिरिक्त राफेल विमान और स्वदेशी मानव रहित प्रणालियों को शामिल करके आधुनिकीकरण के दौर से गुजर रही है।
- भारतीय वायुसेना तरंग शक्ति, गरुड़, कोप इंडिया, इंद्रधनुष, पिच ब्लैक और रेड फ्लैग जैसे प्रमुख बहुराष्ट्रीय अभ्यासों में भाग लेती है।
- भारतीय वायु सेना के मार्शल अर्जन सिंह एकमात्र अधिकारी हैं जिन्हें भारतीय वायुसेना में पांच सितारा रैंक से सम्मानित किया गया है।

परीक्षा फोकस बिंदु:

• संगठन: भारतीय वायु सेना (आईएएफ)।
• रैंकिंग एजेंसी: आधुनिक सैन्य विमान की विश्व निर्देशिका (डब्ल्यूडीएमएमए)।
• ग्लोबल रैंक (2026): तीसरी सबसे शक्तिशाली वायु सेना।
• उपलब्धि: लगातार पांचवें वर्ष 3 रैंक बरकरार रखी।
• चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी एयर फोर्स (PLAAF) से आगे की रैंक।
• शीर्ष दो वायु सेनाएं: संयुक्त राज्य वायु सेना और रूसी एयरोस्पेस बल।
• रैंकिंग पद्धति: ट्रूवल रेटिंग (टीवीआर)।
• भारतीय वायुसेना की स्थापना: 8 अक्टूबर 1932।
• IAF मुख्यालय: नई दिल्ली।
• IAF आदर्श वाक्य: नाभा स्पर्श दीप्तम ("टच द स्काई विद ग्लोरी")।
• वायु सेना प्रमुख: एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह।

लेट्स रिवाइज

- गगनयान मिशन के लिए इसरो द्वारा हाल ही में किन तीन क्रू मॉड्यूल सिस्टम को योग्य बनाया गया था? क्रू मॉड्यूल अपराइटिंग सिस्टम (सीएमयूएस), क्रू मॉड्यूल-सर्विस मॉड्यूल कनेक्ट एंड डिस्कनेक्ट सिस्टम (सीएससीडीएस), और क्रू मॉड्यूल स्ट्रक्चर (एपेक्स कवर सेपरेशन लोड) क्वालिफिकेशन सिस्टम।
- अंतर्राष्ट्रीय भौतिकी ओलंपियाड (आईपीएचओ) के लिए भारत की टीम के चयन और प्रशिक्षण के लिए कौन सा संस्थान राष्ट्रीय नोडल केंद्र है? होमी भाभा सेंटर फॉर साइंस एजुकेशन (एचबीसीएसई), मुंबई।
- किस संगठन ने छूट प्राप्त भविष्य निधि ट्रस्टों को नियमित करने के लिए एमनेस्टी योजना 2026 शुरू की? कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ)।
- कतर के पूर्व अमीर कौन थे जिन्होंने देश को वैश्विक एलएनजी और निवेश केंद्र में बदल दिया और जुलाई 2026 में उनका निधन हो गया? शेख हमद बिन खलीफा अल थानी।
- यमन के पास स्थित कौन सा रणनीतिक समुद्री चोकपॉइंट, लाल सागर को अदन की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ता है? बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य।
- 9 जुलाई 2026 को बैंकिंग प्रणाली से ₹1.10 लाख करोड़ की अधिशेष तरलता को अवशोषित करने के लिए किस RBI मौद्रिक नीति साधन का उपयोग किया गया था? लिक्विडिटी एडजस्टमेंट फैसिलिटी (एलएएफ) के तहत वेरिएबल रेट रिवर्स रेपो (वीआरआरआर) नीलामी।
- किस बाजार नियामक ने म्यूचुअल फंड को अस्थायी तरलता बेमेल के प्रबंधन के लिए इंट्राडे उधार लेने की सुविधा का लाभ उठाने की अनुमति दी है? भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी)।
- विंबलडन चैंपियनशिप 2026 में पुरुष एकल का खिताब किसने जीता? जैनिक सिनर (इटली)।
- जुरासिक पार्क फ्रैंचाइज़ी में डॉ. एलन ग्रांट को चित्रित करने के लिए जाने जाने वाले न्यूजीलैंड के अभिनेता कौन थे, जिनका जुलाई 2026 में 78 वर्ष की आयु में निधन हो गया? सर सैम नील।
- कौन सा संगठन ग्लोबल एयर पावर रैंकिंग प्रकाशित करता है जिसने 2026 में भारतीय वायु सेना को दुनिया की तीसरी सबसे शक्तिशाली वायु सेना के रूप में स्थान दिया है? आधुनिक सैन्य विमान की विश्व निर्देशिका (WDMMA)।

The ACHIEVERS IAS ACADEMY

The ACHIEVERS IAS ACADEMY

The ACHIEVERS IAS ACADEMY PATNA

Daily NEWS CHRONICLE

IMPORTANCE OF CURRENT AFFAIRS IN UPSC EXAMINATIONS

Current Affairs hold a crucial place in the preparation for the UPSC Civil Services Examination. A comprehensive understanding of recent national and international developments helps aspirants strengthen their General Studies foundation and develop a well-rounded perspective on important issues. Topics such as government policies, schemes, economy, international relations, science and technology, environment, defence, social justice, governance, reports, indices, appointments, awards, and major global events are highly relevant for both the Prelims and Mains examinations. Regular study of current affairs not only enhances factual knowledge but also improves analytical ability, critical thinking, answer-writing skills, and decision-making aptitude. Since UPSC questions often connect contemporary developments with static subjects, consistent preparation of current affairs enables aspirants to understand issues in depth and present balanced, informed, and relevant answers. It also plays an important role in Essay writing, Ethics, and the Personality Test, giving candidates a strong edge throughout the examination process.

CONTACT US

+91 8434931877 achievers_ias_patna PATLIPUTRA GOLAMBAR

ACHIEVERS IAS ACADEMY (UPSC/BPSC) achieversiaspatna@gmail.com

Achievers IAS Academy www.achieversiaspatna.co.in Achievers IAS Academy, PATNA